दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

श्री महावीरजी

त्रैमासिक पत्रिका

• www.shrimahaveerji.com • online booking: www.mahaveerji.org

वर्ष-2 (अंक: 3) त्रैमासिक | सन् 2012 | अहिंसा परमो धर्म: | वीर निर्वाण सम्वत् 2538-39 | कार्य निष्पादनअंक

नमन ...

यह 'कार्य निष्पादन अंक' (नवम्बर), वर्ष 2012 की झांकी का प्रस्तुतिकरण है। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी जीवन्त तीर्थ स्थली है। यहां ज्ञान, श्रद्धा एवं समाज सेवा की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है जिसमें जिनवाणी, जिनभक्ति और लोक सेवा सम्मिलत है।

वर्ष 2012 में हमें चातुर्मास के दौरान देश की महान् अध्यात्म विभूतियों का 'अहिंसा परमोधर्म:' का उद्बोधन व आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में जैन श्रेष्ठी व उदारमना जन का सान्निध्य भी मिल पाया हैं। वस्तुत: वीर निर्वाण संवत् 2538 (2539) के अन्तिम चरण में नवीन व दुर्लभ जैन साहित्य श्रृंखला का सृजन हुआ तथा अध्यात्म विभूति मुनिगण के कर कमलों से उनका विमोचन व लोकार्पण हुआ, जो एक कीर्तिमान है एवं गौरवानुभूति का विषय भी है। श्रमण संस्कृति से जुड़े साहित्य के जनतांत्रिकीकरण का यह विधिवत् प्रयास लोकोपकारी सिद्ध होगा, ऐसा हमारा मन्तव्य है। तीर्थंकर महावीर स्वामी आत्मज्ञान के प्रकाश स्तम्भ रहे हैं जिन्हें 2539 वर्ष पर्यन्त हम प्रतिदिन स्मरण करते रहेंगे तथा निज जीवन को महावीरमय बनाने की दिशा में अग्रसर होगें। महावीरजी तीर्थ में भगवान महावीर विराजते हैं, जहां पहुंचकर हम अपनी आत्मा में अद्भुत प्रकाश प्राप्त करते हैं। यह पत्रिका (त्रैमासिक) उसी प्रकाश की एक किरण हैं, जो आपको उजाला दे सकेगी। यह अंक विशेषत: हमारे मनोभावों व संकल्पों का प्रतिबिम्ब है, जिन्हें हम 'कार्य निष्पादन अंक' के रूप में आपके सामने रख पाये हैं। अन्त में नूतन वर्ष 2013 के आगमन की शुभकामनाओं के साथ भगवान महावीर के चरणों में कोटिश' नमन व वन्दन कर अभिभूत व उपकृत हैं :-

आभार सहित,

जस्टिस एन. के. जैन

अध्यक्ष

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

कार्य-निष्पादन व उपलब्धियां एवं सचित्र झलकियां

1. धर्मश्रेष्ठी परिवार स्व. अतर सैन जी व स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी जी जैन की पावन स्मृति को ताजा बनाये रखते हुए दिगम्बर जैन धर्मसेवी उदारमना श्री जयपाल जी, धनपाल जी, एवं श्री संजीव जी सपरिवार श्री महावीरजी में पूजन करते हुए।

2. मुनि श्री अनेकान्त सागर जी महाराज के सान्निध्य में विचार-विमर्श।

3 .बालमुनि श्री सौरभ सागर जी महाराज से प्राप्त आशीर्वाद।

इस अंक में : • स्वर्णिम अध्यात्म विभूतियाँ • श्रेष्ठी श्रावक गण • नूतन जैन साहित्य • उपलब्धियाँ

4. परम पूज्य गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज के कर कमलों द्वारा श्री महावीरजी त्रैमासिक पत्रिका के 'परिचय अंक' व 'महावीर वाणी' का विमोचन व लोकार्पण किया गया।

5. परम पूज्य उपाध्याय 108 श्री ऊर्जयन्त सागर जी महाराज के कर कमलों द्वारा श्री महावीरजी त्रैमासिक पत्रिका के 'आधुनिकीकरण अंक' का विमोचन व लोकार्पण किया गया।

6. श्वेतपिच्छाचार्य श्री 108 विद्यानन्द जी मुनिराज के 50 वें दीक्षा वर्ष पर 'शौरसैनी प्राकृत भाषा के गाथा रत्न' का 105 श्री गौरवमति माताजी के कर कमलों द्वारा पावन विमोचन व जन कल्याणार्थ लोकार्पण किया गया।

7. श्वेतपिच्छाचार्य श्री 108 विद्यानन्द जी मुनिराज के 50 वें दीक्षावर्ष पर परमपूज्य 108 श्री देवेन्द्रसागर जी महाराज के कर कमलों द्वारा 'अपभ्रंश भाषा की लोकोपयोगी मणियां' पुस्तिका का पावन विमोचन व जनकल्याणार्थ लोकार्पण किया गया।

8. परम पूज्य एलाचार्य 108 श्री प्रज्ञसागर जी मुनि के कर कमलों द्वारा 'ज्ञानवर्द्धनोत्सव वर्ष संदर्भ साहित्यिक पुस्तिकाओं का विमोचन व जनकल्याणार्थ लोकार्पण किया गया। उल्लेखनीय है कि श्वेतपिच्छाचार्य श्री 108 विद्यानन्द जी मुनिराज के 50 वें दीक्षावर्ष पर ज्ञानवर्द्धनोत्सव वर्ष पूरे भारत में मनाया जा रहा है। जैन धर्मावलम्बी तन मन धन से उत्सव आयोजित कर उपकृत हो रहे हैं।

9. न्यायाधिपति श्री मनीष जी भण्डारी व उनकी धर्मपत्नी द्वारा परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महाराज का चरण वन्दन कर पुनीत आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

10. परमपूज्य गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज के सान्निध्य में दिगम्बर जैन मन्दिर नेमिनाथ जी (सावंलाजी) के यंत्रलेख पुस्तक का माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री प्रदीप जी जैन 'आदित्य' विमोचन करते हुए

11. माननीय न्यायाधिपति श्री नरेन्द्रमोहन जी कासलीवाल, पूर्व न्यायाधिपति उच्चतम न्यायालय दिल्ली द्वारा प्राकृत-अपभ्रंश-अध्ययन के प्रोत्साहक, अपभ्रंश साहित्य अकादमी के प्रशंसक परम पूज्य गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में 'अपभ्रंश-रत्न-मंजूषा' का विमोचन करते हुए।

12. जैन विद्या संस्थान में इंटरनेशनल समर स्कूल के विदेशी छात्र अध्ययन करते हुए।

13. श्री महावीरजी में दातार श्रीमती पुष्पलता जैन व उनके सुपुत्र श्री वीरेन्द्र जी छाबड़ा के सहयोग से स्थापित लिफ्ट का लोकार्पण श्री अशोक जी जैन, आई.ए.एस. द्वारा।

14. परमपूज्य गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज के सान्निध्य में जैन विद्या संस्थान का महावीर पुरस्कार 2011 डॉ. वीर सागर जी, नई दिल्ली को प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि न्यायाधिपति श्री मनीष जी भण्डारी एवं श्रीमती लाड़कुमारी जी जैन, अध्यक्ष राजस्थान महिला आयोग ने पुरस्कार अपने कर कमलों से प्रदान किया।

15. नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर मुख्य संयोजक सत्यभूषण जी जैन के सान्निध्य में श्रीमती दर्शनदेवीजी, विवेकजी व परिवारजनों द्वारा आयोजित कैम्प में माननीय श्री आर. एस. जाखड, कलेक्टर, करौली द्वारा ट्राई साइकिल वितरण की गई व निःशक्तजनों को सम्बल प्रदान किया गया।

नि:शक्त जन सहायता प्रत्येक जैन श्रेष्ठीजन का सामाजिक दायित्व है।

16. बोम्बे उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधिपति श्री कैलाश जी चाँदीवाल साहब का स्वागत करते हुए अध्यक्ष व सदस्यगण।

17. गणाचार्य श्री के सान्निध्य में न्यायाधिपति नरेन्द्र मोहन जी कासलीवाल पोस्टर विमोचन करते हुए।

18. श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 विशाश्री माताजी के दर्शन व धर्मचर्चा करते हुए।

नूतन जैन साहित्य प्रकाश श्रृंखला :

- 19 सितम्बर 2012 (दशलक्षण पर्व) महावीर वाणी के 50 मोती
- 25 सितम्बर 2012 (सुगन्धदशमी) अपभ्रंश भाषा की लोकोपयोगी मणियां।
- 2 अक्टूबर 2012 : शौरसैनी प्राकृत भाषा के गाथा रत्न
- 24 अक्टूबर 2012 : अपभ्रंश-रत्न-मंजूषा
- 13 नवम्बर 2012 (दीपावली) : जैनधर्म-दीप-पुंज
- निज मंदिर की बड़ी चंवरी के शिखर में लकड़ी का कार्य श्री राजेश जी काला एवं परिवार जन, जयपुर और श्री जैन सन, नोएडा व अन्य द्वारा भावमण्डल की बड़ी चंवरी में चाँदी का कार्य कराया गया।
- वीर निर्वाण सम्वत् 2539 में दातार व विशिष्ट आगन्तुक अतिथियों का धन्यवाद व आभार।
- राज्य सरकार द्वारा श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूति गृह, श्री महावीरजी में डॉ. हर्ष जैन को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया। इसके लिए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री माननीय श्री दुरूमियां जी, निदेशक व श्री सुभाषचन्द जी जैन का हृदय से आभार।
- राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री, माननीय श्री भरत सिंह जी द्वारा नादोती-श्री महावीरजी की 20 कि. मी. लम्बी, श्री महावीरजी से हिण्डौन की 10 कि.मी. लम्बी सड़क का सुदृढ़ीकरण, एवं खेडा से हिण्डौन तक सडक विकास कार्य रिडकोर से करवाने हेतु राशि करीब 8 करोड़ की स्वीकृती प्रदान की गई जिसके लिए माननीय मंत्री जी का आभार व धन्यवाद।
- 'अपभ्रंश साहित्य एकेडमी' के लिए राज्य सरकार द्वारा दी गई जमीन का कब्जा लेकर, बाउण्ड्रीवाल बना दी गई है। पट्टा लेने व अन्य कार्यवाही प्रगति पर है।
- अन्नपूर्णा भोजनशाला में सेमी ऑटोमेटिक चपाती, डग नीडिग व वार्मर मशीन से कार्य प्रारम्भ।
- वातानूकूलित 48 कमरों की धर्मशाला का निर्माण कार्य शुरू व क्षेत्र में अन्य कार्य प्रगति पर है।

प्राप्त मंगल आशीर्वाद

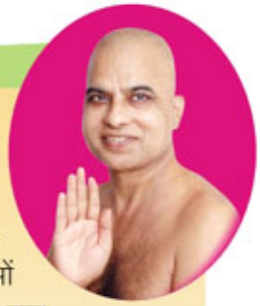

प्राकृत अपभ्रंश-अध्ययन की घोषणा करते हुए हर्ष है कि भगवान महावीर की भाषा प्राकृत-अपभ्रंश को हम भारत देश में प्रसारित करेंगे और चाहेंगे कि अधिक से अधिक लोग इन दोनों भाषाओं को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी द्वारा संचालित जैन विद्या संस्थान/अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जयपुर में पत्राचार के माध्यम से अध्ययन करें।

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि जैन विद्या संस्थान/अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जयपुर प्राकृत/अपभ्रंश के संरक्षण एवं संवर्द्धन में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। अनेक श्रमण-श्रमणियाँ, देश-विदेश के छात्र-छात्राएँ प्राकृत-अपभ्रंश का सहर्ष अध्ययन कर रहे हैं।

आशीर्वाद दाता-
राष्ट्रसंत, श्रमणाचार्य, गणाचार्य श्री 108
विरागसागर जी महाराज

श्रेष्ठी जनों का स्वागतम्

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर के नये सदस्य गण
(18.11.2012)

सतीश जी अजमेरा

सुधीर जी कासलीवाल

सी. पी. जैन जी

मैनेजर कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
श्री महावीरजी (जिला करौली) राजस्थान -322220
दूरभाष : 07469-224323, 224339
www. shrimahaveerji.com
Online Room Booking : www.mahaveerji.org
e-mail: mahaveerjitrust@gmail.com

मंत्री कार्यालय :
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
कुन्द-कुन्द भवन परिसर, दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारकजी
सवाई रामसिंह रोड, जयपुर-302004
दूरभाष : 0141-2385783, 2385784

सम्पादक मण्डल : न्यायमूर्ति एन.के. जैन, महेन्द्रकुमार पाटनी, डॉ. कमलचन्द सौगाणी, एम.एल. धोंकरिया के लिए राजू ग्राफिक आर्ट, अजमेरी गेट, जयपुर से मुद्रित।
प्रकाशक : प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी, जयपुर (राजस्थान)